मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 246 ■ रविवार 28 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

KDMC पर महायुति का महापौर बनाने के लिए काम करें

चुनाव के अंतिम बॉल तक चलेगा ड्रामा

20-20 के मैच में आएंगे बड़े ट्विस्ट

पूर्व नगरसेवकों को मौका, युवाओं को धोखा

- अंत तक दिग्गज व युवाओं को लटकाएंगी पार्टी
- कुछ पूर्व नगरसेवकों का भी होगा पत्ता कट
- भाजपा-शिवसेना में युति तय
- टीओके-साई पक्ष की भी हुई बैठक
- राकांपा के पास उम्मीदवारों की भीड़
- भाजपा व टीओके में होगी बड़ी बगावत

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर है। 23 दिसंबर से शुरू हुई प्रक्रिया के चार दिनों तक एक हजार से ज्यादा फार्म लिए गए। 27 दिसंबर को कुल तीन नामांकन पत्र दाखिल किए गए जिसमें पैनल 18 से कांग्रेस प्रत्याशी अंजली सालवे सहित 2 अन्य उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा है। अब केवल दो दिन ही दिन शेष है नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए। भाजपा व शिवसेना में युति तय होने के कारण टीम ओमी कालानी व साई पक्ष की टेंशन बढ़ गई है। दोनों पक्ष को युति के तहत कम सीटें मिलने के कारण दोनों पक्षों ने दूसरा विकल्प बनाना शुरू कर दिया। टीओके तुतारी के एबी फार्म के साथ तैयार है तो वहीं टीवी के साथ साई पक्ष भी तैयार है। लेकिन शिवसेना टीओके को युति के आंकड़ों में फिट करने का प्रयास कर रही है। सुनने में आया है कि अंत तक दिग्गज नेता व युवा उम्मीदवारों को भाजपा व टीओके लटकाएगी और पूर्व नगरसेवकों को मौका देकर युवाओं को धोखा देगी। गंगोत्री की राकांपा जोकि तीसरा विकल्प है वहां दिग्गज युवा व नए चेहरों के लिए है उम्मीदवारों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

चुनावी कार्यक्रम

मतदान – गुरुवार 15 जनवरी 2026
मतगणना – शुक्रवार 16 जनवरी 2026
नामांकन फार्म
23 से 30 दिसंबर तक भरे जाएंगे
नामांकन फार्म की जांच
31 दिसंबर 2025
उम्मीदवारी वापस
2 जनवरी 2026
उम्मीदवारों की अंतिम सूची व चुनाव चिन्ह
3 जनवरी 2026

उल्हासनगर मनपा चुनाव 2017

BJP-TOK	32
शिवसेना	25
साई पक्ष	11
राकांपा	4
आरपीआय	2
कांग्रेस	1
पीआरपी	1
भारिप	1
रासप	1

सूत्रों से ऐसी खबर मिली है कि रविवार देर रात तक भाजपा, शिवसेना, टीओके व साई पक्ष की रणनीति पर विराम लगेगा। जिनमें कई दिग्गजों का पत्ता कट होगा। भाजपा, शिवसेना व टीओके के उम्मीदवारों की सूची आज रविवार रात तक आ सकती है। सोमवार 29 दिसंबर तक सभी प्रमुख उम्मीदवार अपना फार्म दाखिल करेंगे और चुनाव प्रचार का श्रीगणेश भी करेंगे। 20-20 के इस चुनावी मैच में आखिरी बॉल तक यह ड्रामा चलेगा क्योंकि फार्म के साथ पार्टी का एबी फॉर्म भी किसे मिलते है किसका पता कट होगा यह तो समय ही बताएगा लेकिन भाजपा व टीओके में बड़ी बगावत देखने को मिल सकती है। भाजपा व टीओके के कई बागी उम्मीदवार राकांपा की राह पर चल पड़े हैं। अब साई पक्ष भी इसी बगावत का फायदा उठाकर टिकट देगी। चुनावी जंग में महायुति विरोधी पक्ष के खात्मे की तैयारी कर इलेक्शन को सिलेक्शन का रूप दे रही है। लेकिन 78 वार्डों में 100 से अधिक बागी युवा उम्मीदवार उनके प्लान पर पानी डालकर मैदान में उतरेंगे। निर्दलीयों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी।

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल-8 में भाजपा की राह आसान नहीं होगी

■ भाजपा के लिए वर्चस्व की लड़ाई

पैनल 8

कुल मतदाता	22,683
पुरुष मतदाता	12,438
महिला मतदाता	10,242

चुनाव में यहां अ- छाया चक्रवर्ती - भाजपा, ब- ज्योती पाटील - भाजपा, क- चंद्रावती सिंग- भाजपा, ड- राजेश वधारिया - भाजपा के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल पर पूरी तरह भाजपा का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां एससी महिला, ओबीसी महिला, सामान्य व सामान्य सीट है। इस पैनल में सिंधी, मराठी व उत्तर भारतीय समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया के नेतृत्व में ही चुनाव होगा। यहां पर टीओके, राकांपा तथा निर्दलीय उम्मीदवार भाजपा की राह में अड़चन डालेंगे क्योंकि यहां पर विकास के नाम पैनल खस्ता हाल में है। इसे समस्या मुक्त करने के लिए भाजपा को हराने की तैयारी चल रही है। यहां युवाओं की डिमांड और परिवर्तन का मुद्दा छाया रहेगा।

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर- 2 व 3 स्थित इस पैनल में चार वार्डों का समावेश हैं जिसमें खेमानी परिसर, एटीपी हिन्दी हायस्कूल, आवात चौक, नेहरू चौक, सीरू चौक, सोना मार्केट, ए वन मिल्क डेयरी, सतनाम कालोनी, चालीस कोठी, जापानी बाजार, झुलेलाल स्कूल परिसर, सेंट्रल अस्पताल परिसर, गौतम वाडी, टिलू अपार्टमेंट, सेंट्रल पुलिस लाइन, डॉ. महापात्रा, पंजाबी कालोनी, पप्पू गार्डन, वडार कालोनी, आजाद नगर, जेकब कंपाउड, आयप्पा मंदिर का समावेश है। 2017 के

प्रभाग निहाय विश्लेषण...

पैनल 9 में युवाओं को चांस

■ पानी की समस्या बरकरार

पैनल 7

कुल मतदाता	18,027
पुरुष मतदाता	9,785
महिला मतदाता	8,238

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी 2026 को होने जा रहा है। मनपा क्षेत्र में कुल 78 वार्डों के 20 पैनल बनाए गए हैं। सभी पैनल कई समस्याओं से ग्रस्त जिसमें हर पैनल में प्रमुख समस्या खराब सड़कें, पानी की किल्लत, साफ सफाई कचरे की समस्या, धोकादायक इमारतों का मुद्दा, ट्रैफिक, अवैध निर्माण समस्या जैसे मूलभूत सुविधा से शहर वंचित है और इन्हीं प्रमुख मुद्दों पर चुनाव प्रचार देखने को मिलेगा। ऐसे में हमने सभी पैनलों का विश्लेषण संक्षिप्त में किया है और यहां लोगों को पूर्व नगरसेवक ही चाहिए या कोई नया युवा नेता।

उल्हासनगर- 2 व 3 स्थित इस पैनल में तीन वार्डों का समावेश है जिसमें कैम्प 2 नेहरू चौक परिसर, सेंट्रल अस्पताल रोड, हुकमत राय अपार्टमेंट, महानगरपालिका रोड, सपना गार्डन परिसर, न्यू लिंक रोड, हिरा मैरिज हॉल, टेकड़ी परिसर, काछाराम चौक, शिव कालोनी, शिव शक्ति कालोनी, अमन टाकीज परिसर, पेट आक्सपोर्ट स्कूल, पंजाबी कालोनी, सुभाष नगर, अय्यप्पा मंदिर रोड, लालजी तबेला, डालडा डिपो, महात्मा गांधी कालोनी का समावेश है। 2017 के चुनाव में यहां अ- डिम्पल कुमारी ठाकूर- भाजपा, ब - दीपा नारायण पंजाबी- भाजपा, क - अजित गुप्ता - साई पार्टी के नगरसेवक रह चुके हैं। इस पैनल भाजपा टीओके व साई पक्ष का कब्जा है। अब नए आरक्षण में यहां ओबीसी, महिला सामान्य व सामान्य सीट है। इस पैनल में सिंधी, मराठी व उत्तर भारतीय समाज के ज्यादातर मतदाता रहते हैं। यहां पर पूर्व नगरसेवक नरेंद्र कुमार ठाकुर की अच्छी पकड़ी है वहीं साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी की दो सीटें हैं और उनकी पत्नी भी नगरसेविका है। लेकिन इस परिसर में पानी की समस्या ने सबको परेशान किया हुआ है। इस समस्या का हल करने के लिए डिम्पल कुमारी ठाकुर के साथ सुमित चक्रवर्ती के पुत्र आकाश चक्रवर्ती तथा आशा जीवन इदनानी मैदान में उतर रहे हैं। यहां पर अवि पंजाबी नामक नगरसेविका के पुत्र से स्थानीय जनता नाराज है। यहां पर स्थानीय कार्यकर्ता व युवा नेता विक्की इसरानी अपनी पत्नी प्रियंका इसरानी को राकांपा की टिकट से मैदान में उतर रहे हैं। अब देखना है कि यहां की समस्या को हल करने को कौन सक्षम है।

उल्हासनगर में कांग्रेस ने पहला नॉमिनेशन फाइल किया

उल्हासनगर. उल्हासनगर में नॉमिनेशन पेपर फाइल करने का काम शुरू हो गया है और इंडियन नेशनल कांग्रेस की तरफ से पहली एप्लीकेशन पूर्व कॉर्पोरेटर अंजलि साल्वे ने फाइल की।

लगातार दो बार चुने जाने के बाद अंजलि साल्वे ने आज तीसरी बार अपना नॉमिनेशन फाइल किया है, जिससे उनके काम, अनुभव और लोगों के भरोसे पर खरा उतरा है। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रोहित साल्वे, डॉ. चंद्रकांत साल्वे, विशाल सोनवणे, विशाल रंगोले, दीपक सोनवणे, आबासाहेब साठे, प्रो. सिंधुताई रामटेके और मालती गवई विजया गाडे मौजूद थे। कांग्रेस ने सबसे पहले अपना नॉमिनेशन पेपर फाइल करके लीड ले ली है, कांग्रेस ने शुरुआत में ही अपना वादा भी बताया, इस मौके पर आने वाले चुनावों में ज़्यादा से ज़्यादा सीटें जीतने का पक्का इरादा जताया गया।

चुनाव के लिए 24 अधिकारियों की नियुक्ति

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा चुनाव के काम के लिए कमिश्नर और मुख्य चुनाव अधिकारी मनीषा अव्हाले ने अलग-अलग जगहों पर 24 अधिकारियों की नियुक्ति की है और 6 चुनाव निर्णय अधिकारियों को 3-3 अधिकारी दिए गए हैं। उल्हासनगर महानगरपालिका का चुनाव 15 जनवरी को होगा। इस चुनाव को ट्रांसपेरेंट तरीके से कराने के लिए छह चुनाव ऑफिस शुरू कर दिए गए हैं। इस ऑफिस के छह मुख्य चुनाव निर्णय अधिकारियों की नियुक्ति मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले ने की है। राज्य चुनाव आयोग के 10 दिसंबर के आदेश के अनुसार, कमिश्नर ने छह चुनाव कार्यालय शुरू कर दिए हैं।

अंबरनाथ जुमा बाजार में चल गया चाकू

- 2 गंभीर घायल
- दो ठेलेवाले आपस में भिड़े

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जुमा बाजार में उस समय खलबली मच गई, जब दो छोटे दुकानदार अपनी दुकान लगाने के लिए लड़ पड़े. दोनों ने मिलकर सामने वाले दोनों पर चाकू से हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. गत कई हफ्तों से जुम्मा बाजार दर्गा के समक्ष मैदान में लगने के बजाय फायर ब्रिगेड मैदान नालिंबी रोड पर लग रहा है. फातिमा हाईस्कूल रोड निवासी सतीष पाल ने पुलिस ने शिकायत दर्ज कराया है कि वह और उसका भाई आशीष जुमा बाजार फायर ब्रिगेड के बाजू के मैदान में खुली जगह में फल बेचने की दुकान लगा रहे थे कि उनके बाजू में दुकान लगाने के लिए आए दो अज्ञात जिसमें एक लाल रंग का शर्ट पहने हुए 24 वर्षीय युवक ने उनकी फल की गाड़ी को बाजू में लेने के लिए कहा और गालीगलौज करते हुए उस अज्ञात युवक ने उनको और उनके भाई को लकड़ी से सर पर मारकर घायल किया. उसके साथ आए हुए दूसरे अज्ञात युवक (24) ने जिसने ब्ल्यू एवं सफेद रंग का कुर्ता पहना था, उसने चाकू से हमला करके सतीष पाल और उसके भीई आशीष पाल को पीठ पर चाकू से वार करके घायल कर दिया.

विदित हो कि इस हफ्तावारी जुमा बाजार में ज्यादातर महिलाएं, बच्चों को लेकर खरीदारी के लिए आती है. उनमें भगदड़ मच गई और दहशत फैल गई. कुछ ठेलेवाले अपना ठेला लेकर भाग खड़े हुए. पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक रूपाली सालवे कर ही हैं.

बदलापुर नगर पालिका में 'विपक्ष मुक्त सभागृह

बदलापुर. बदलापुर नगर पालिका चुनाव में, गठबंधन में शामिल तीनों पार्टियों ने कुल 49 सीटें जीती हैं। ऐसे में, सीनियर्स के आदेश पर चुनाव के बाद शिवसेना और बीजेपी के बीच गठबंधन होने की संभावना होने से विपक्ष मुक्त सभागृह की संभावना है। साथ ही, नगराध्यक्ष का पद भले ही BJP के पास रहेगा, लेकिन सबसे बड़ी पार्टी होने और गठबंधन में होने के बावजूद शिवसेना को उप नगराध्यक्ष के पद के लिए ढाई साल तक इंतज़ार करना पड़ सकता है।

बदलापुर मनपा चुनाव में शिवसेना और BJP-राष्ट्रवादी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला था। इस मुकाबले में शिवसेना 24 नगरसेवक चुनकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। जबकि BJP ने मेयर पद समेत 22 सीटें जीती हैं और NCP ने तीन सीटें जीती हैं। इसलिए, BJP-राष्ट्रवादी गठबंधन के पास सदन में 25 नगरसेवकों की ताकत है। चुनाव से पहले BJP ने NCP से वादा किया था कि NCP के बाद शिवसेना को डिप्टी मेयर का पद, पहले ढाई साल के लिए डिप्टी मेयर का पद, एक मंज़ूर नगरसेवक और एक विषय समिति मिलेगी। इसलिए, यह तय हो गया है कि ज़्यादातर पावर और पद BJP-राष्ट्रवादी गठबंधन को मिलेंगे।

अंबरनाथ में बच्चा चोरी की अफवाह

- दो बच्चे गुम होने के बाद अफवाह फैली
- अफवाहों पर ध्यान न दें -वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक

अंबरनाथ. अंबरनाथ में बच्चा चोर आए हुए हैं. बच्चे चोरी का शक जताते हुए 2 अज्ञात महिलाओं को मारपीट कर पुलिस के हवाले करने के बाद शुक्रवार रात में खुंटवली खामकर वाड़ी से खबर आई कि घर से बाहर खेल रहे दो बच्चे अचानक गायब हो गए हैं. अथवा बच्चा चोरों ने बच्चे चोरी कर लिए हैं. ये वही स्थान है, जहां से दो अज्ञात महिलाओं को पुलिस के हवाले किया गया था. दोनों बच्चों के नाम गौतम चौहान (8) और कार्तिक चौहान (10) बताए गए. रात 8 बजे ये दोनों घर के बाहर खेल रहे थे कि अचानक दोनों गायब हो गए. दोनों अज्ञात महिलाओं के बारे में पुलिस जांच कर रही थी कि रात में ये घटना हो गई. खुंटवली, खामकरवाड़ी में ये बात आग की तरह फैली. पुलिस को सूचना की गई. पुलिस एवं कुछ नेताओं ने सीसीटीवी खंगालना शुरू कर दिया. गौतम और कार्तिक के घर के बाहर लोगों का जमावड़ा हो गया. सोशल मीडिया, वाट्सएप ग्रुप में बच्चों के फोटो के साथ पल में ही ये खबर शहर में फैल गई. सुबह में जब हमने बच्चों की माता बबीता चौहान से फोन पर संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि वह रात को 2.30 बजे घर पर आ गए हैं. दोनों बच्चे खेलते-खेलता पास खड़ी एक आटो रिक्शा में जाकर सो गए थे. रिक्शा में परदा लगा हुआ था. इसलिए बच्चे किसी को नजर नहीं आए. पुलिस ने भी बच्चों के अपहरण होने का खंडन करते हुए बताया कि बच्चे रिक्शा में सो गए थे. वह घर आ गए हैं. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने शहरवासियों से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान ना दें. किसी के साथ मारपीट करके कानून को हाथ में ना लें. पुलिस से तुरंत संपर्क करने की अपील उन्होंने की है.

शिवसेना पार्षद के पति की बेरहमी से हत्या

खोपोली. खोपोली में शिवसेना के एक पदाधिकारी और स्थानीय नगरसेविका के पति की हत्या उस समय कर दी गई, जब वह अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर लौट रहे थे। पुलिस ने 6 नामजद आरोपियों और चार अज्ञात लोगों सहित दस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मंगेश कालोखे अपनी बेटियों को स्कूल छोड़ने गए थे और लौट रहे थे.तमंगेश कालोखे खोपोली के राहतवाडे इलाके से हाल ही में चुनी गईं शिवसेना नगर सेविका मानसी कालोखे के पति थे। हत्या का मकसद राजनीतिक दुश्मनी माना जा रहा है।

ई-चालान भरें, नहीं तो उम्मीदवार का नामांकन हो सकता है रिजेक्ट

■ एक इच्छुक उम्मीदवार ने डेढ़ लाख का ई-चालान भरा

उल्हासनगर. महानगर पालिका चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल होना शुरू हो गया है। चुनाव लड़ते समय, कैंडिडेट को अपनी गाड़ियों का फाइन भरना होगा और यह सर्टिफिकेट लेना होगा कि कोई बकाया नहीं है। अगर फाइन बकाया है, तो कैंडिडेट का एप्लीकेशन रिजेक्ट कर दिया जाएगा। कैंडिडेट अपनी गाड़ियों के पेंडिंग ई-चालान क्लियर करने के लिए दौड़ पड़े हैं ताकि उनकी उम्मीदवारी रद्द न हो. ठाणे में एक इच्छुक उम्मीदवार ने 1.50 लाख का फाइन भरकर चुनाव का रास्ता साफ कर लिया है।

ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर और भिवंडी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनाव हो रहे हैं। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, मनपा चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर अप्लाई करते समय यह सर्टिफिकेट देना होता है कि आपने कोई बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन नहीं किया है या सरकार और अधिकारियों का कोई और टैक्स और जुर्माना बकाया नहीं है। इसके अनुसार, गाड़ियों पर लगे ई-चालान पर जुर्माना बकाया नहीं होना चाहिए। ऐसा नियम है। चुनाव अधिकारी यह चेक करेंगे कि ई-चालान का जुर्माना भरा गया है या नहीं। अगर इस बारे में नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) नहीं है, तो उम्मीदवारी का एप्लीकेशन रिजेक्ट हो सकता है। इसी वजह से ठाणे ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में बकाया ई-चालान भरने के लिए भीड़ जमा होने लगी है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों ने बताया कि एक उम्मीदवार ने मंगलवार को अपनी गाड़ी पर 1.50 लाख रुपये का जुर्माना भरा है.

जुर्माना भरने की होड़ शुरू

एप्लीकेशन भरते समय गाड़ी से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट अपडेट होने चाहिए। एप्लीकेशन में ट्रैफिक नियमों का पालन और डॉक्यूमेंट भी चेक किए जाते हैं। बकाया जुर्माना होने की वजह से उम्मीदवारी के एप्लीकेशन प्रोसेस में रुकावट आ सकती है। इसलिए, जो उम्मीदवार मनपा चुनाव लड़ने में दिलचस्पी रखते हैं, वे बकाया ई-चालान जुर्माना भरने के लिए दौड़ पड़े हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

50 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर

देशभर में लाखों बच्चे अगर परीक्षाओं में विफल हो रहे हैं, तो इसकी वजह क्या है? क्या इसे गंभीर चुनौती मान लेने भर से इस समस्या का निवारण हो जाएगा? क्या यह जानने का प्रयास नहीं होना चाहिए कि शिक्षा में गुणवत्ता आखिर कहां कम रह गई और इसकी वजह क्या थी? विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है, तो जाहिर है कि पूरी व्यवस्था को अब दुरुस्त करने की जरूरत है। केवल चिंता जता देने और सतही कदम उठा लेने भर से काम नहीं चलेगा।

फिलहाल तथ्य यही है कि देश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं में हर वर्ष करीब पचास लाख विद्यार्थी विफल हो रहे हैं। इनमें अधिकतर विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ देते हैं। खासतौर से लड़कियां विद्यालय नहीं लौटतीं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लड़के परिवार का बोझ उठाने के लिए काम करने लग जाते हैं। यह शिक्षा व्यवस्था की नाकामी तो है ही, वहीं शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य पर भी आघात है।

इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की विफलता बताती है कि विद्यालयी शिक्षा को हम गंभीरता से नहीं ले रहे। अब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसे गंभीर चुनौती मानते हुए ऐसे विद्यार्थियों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ने की पहल की है। इसके तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह विद्यार्थियों तक पहुंचे और उन्हें पढ़ाई बीच में न छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करे। मगर सच यह है कि पिछले कई वर्षों से शिक्षा के दूरगामी लक्ष्यों पर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव किसी से छिपा नहीं है। कई राज्यों में तो कहीं-कहीं एक या दो शिक्षकों के भरोसे विद्यालय चलने की खबरें आई हैं। आए दिन शिक्षकों को शिक्षण कार्य से अलग दूसरे कार्यों में लगा दिया जाता है। मध्याह्न भोजन योजना से लेकर जनगणना, आधार सत्यापन और चुनावी कार्य में उन्हें उलझाए रखना कोई नई बात नहीं। ऐसे में बच्चों को शिक्षा देने का मूल कार्य प्रायः हाशिये पर चला जाता है। उनका पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं होता और वे पढ़ाई में निरंतर पिछड़ते चले जाते हैं। देश में ऐसा परिदृश्य बन रहा है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकार इस स्थिति से अनजान नहीं है। उसे इस दिशा में सतही उपाय करने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे।

अल्पसंख्यक की परिभाषा तय की जाए, मानदंड होना जरूरी

अब जब जनगणना शुरू होने जा रही है, तब इस पर भी विचार होना चाहिए कि भारत में वास्तविक अल्पसंख्यक कौन है? क्योंकि सांप्रदायिकता और तुष्टीकरण का दुखद नतीजा मातृभूमि के बंटवारे में देखा जा चुका है। संविधान के अनुच्छेद 30 में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग अवश्य है, पर उसमें अल्पसंख्यक की परिभाषा नहीं दी गई है। अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा देने का अधिकार अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत केंद्र सरकार को है। अभी छह समुदायों- मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन तथा पारसी को अल्पसंख्यक का दर्जा मिला है। इनमें यहूदी नहीं हैं। इस प्रकार अल्पसंख्यक का दर्जा देने का मानदंड क्या है, यह भी अस्पष्ट है।

अल्पसंख्यक समुदायों को कई प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। इनमें धार्मिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक के साथ-साथ आर्थिक सुविधाएं भी शामिल हैं। अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों में न तो शिक्षा का अधिकार कानून लागू है और न ही आरक्षण के नियम। कई ऐसे राज्य भी हैं, जहां कुछ समुदाय राज्य स्तर पर बहुसंख्यक होने के बावजूद अल्पसंख्यक योजनाओं का लाभ लेते हैं। यदि लाभ वास्तविक वंचित वर्गों तक न पहुंचकर सामाजिक या क्षेत्रीय रूप से मजबूत समुदायों तक पहुंचते हैं, तो इससे अन्य जरूरतमंद वर्गों के अवसर प्रभावित होते हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ता है और अल्पसंख्यकवाद की राजनीति को बल मिलता है।

2011 की जनगणना के अनुसार देश में विभिन्न धर्मावलंबियों की जनसंख्या इस प्रकार थी-हिंदू 79.8 प्रतिशत, मुसलमान 14.2, ईसाई 2.3, सिख 1.7, बौद्ध 0.7, जैन 0.4 तथा पारसी 0.006 प्रतिशत। लोकतंत्र में जनसंख्या के बल पर सरकार की नीतियों को प्रभावित किया जा सकता है और किया भी जाता है। अपनी संख्या के बल पर मुस्लिम एक समर्थ तथा प्रभावशाली समुदाय है। यह सरकार को झुक जाने को मजबूर करने में सक्षम है, यह हम शाहबानो मामले में देख चुके हैं। अल्पसंख्यक का दर्जा निर्धारण वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

इसका परिणाम यह है कि जिन राज्यों में मुस्लिम बहुमत में हैं, जैसे लक्षद्वीप (96.58) और जम्मू-कश्मीर (68.31 प्रतिशत) वहां भी उन्हें अल्पसंख्यक का लाभ दिया जाता है। इनके अलावा छह ऐसे राज्य हैं जहां मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है-असम (34.22 प्रतिशत), बंगाल (27.01), केरल (26.56), उत्तर प्रदेश (19.26), बिहार (16.9) और झारखंड (14.53 प्रतिशत)। क्या बड़ी आबादी वाले राज्यों में भी मुस्लिमों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए?

अगर जिलों की बात करें तो बिहार में ऐसे 11 जिले हैं, जहां मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। किशनगंज में 67.98, कटिहार में 44.47, अररिया में 42.95 और पूर्णिया में 38.46 प्रतिशत है। यूपी में 15 ऐसे जिले हैं, जहां मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। मुरादाबाद और रामपुर में उनकी आबादी क्रमशः 50.80 तथा 50.57 प्रतिशत है। बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर), बलरामपुर, बरेली, मेरठ तथा बहराइच जैसे जिलों में उनकी आबादी 30 प्रतिशत से ज्यादा है। अगर बंगाल की बात करें तो यहां 13 ऐसे जिले हैं, जहां मुसलमानों की आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है।

मुर्शिदाबाद तथा मालदा में वे बहुमत में हैं। यहां उनकी आबादी क्रमशः 66.27 तथा 51.27 प्रतिशत है। बिहार, उत्तर प्रदेश तथा बंगाल जैसी स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है। झारखंड के छह जिलों में उनकी आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। असम में वे 11 जिलों में बहुमत में हैं। क्या सघन आबादी वाले जिलों में भी मुसलमानों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए? अगर हम ईसाई जनसंख्या देखें तो उनकी आबादी तीन राज्यों में बहुमत और पांच अन्य राज्यों में सघन है। कुल 14 ऐसे राज्य हैं, जहां उनकी आबादी राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। जब किसी राज्य की अल्पसंख्यक आबादी यह अनुभव करती है कि बहुसंख्यक होते हुए भी कुछ समुदाय विशेष रियायतें प्राप्त कर रहे हैं तो इससे सामाजिक असंतोष और असमानता की भावना उत्पन्न होती है। अल्पसंख्यक दर्जे का उद्देश्य सुरक्षा और अवसर प्रदान करना होना चाहिए, न कि स्थायी विशेषाधिकार।

ध्यानाभ्यास के द्वारा, हम प्रभु रूपी महासागर को अपनी आत्मा रूपी बूंद में महसूस कर सकते हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सेंगर की सजा निलंबन पर उठे सवाल

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है। संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी। तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी।

मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया। इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा।

जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार

पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया। अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे, वे बेहद अप्रत्याशित थे, मगर उससे साफ था कि जघन्य अपराधों के बाद एक ऊंचे राजनीतिक रसूख वाला आरोपी पीड़िता को खामोश करने के लिए किस हद तक जा सकता है।

इस दौरान पीड़िता के पिता की जान चली गई; एक ट्रक ने उस कार को टक्कर मार दी, जिसमें वह परिवार के अन्य लोगों के साथ जा रही थी। उस घटना में पीड़िता और उसका वकील बुरी तरह घायल हो गए, जबकि उसकी दो मौसियों की मौत हो गई। समझा जा सकता है कि इस पूरे मामले में पीड़िता को किस तरह के हालात का सामना करना पड़ा। अक्सर समूचे देश में महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों पर काबू पाने, खासकर बलात्कार के दोषियों के प्रति बेहद सख्त रुख अख्तियार करने और यहां तक कि फांसी की सजा की मांग की जाती है। मगर जब किसी रसूख वाले अपराधी की सजा को लेकर रियायत बरतने की खबर आती है, तब यह समझना मुश्किल हो जाता है कि आखिर कानून के काम करने के पैमाने क्या हैं!

यह बेवजह नहीं है कि तमाम कानूनी प्रावधानों के बावजूद इस अपराध का खौफ व्यापक स्तर पर महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। बलात्कार के मामले में सजा होने की बेहद कम दर को लेकर पहले ही चिंता जताई जाती रही है। इसका मुख्य कारण कानून की बारीकियों के आधार पर कई बार वास्तविक दोषियों का बच निकलना रहा है। कहा जाता है कि न्याय केवल होना नहीं चाहिए, बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। मगर राजनीति या अन्य क्षेत्र में खासा प्रभाव रखने वाले सजायाफ्ता दोषी भी जब कानून से रियायत हासिल कर लेते हैं, तब न्याय की अवधारणा को गहरी चोट लगती है।

खुदाई में मिला 2200 साल पुराना 'सुपर हाईवे'

जरा हट के

आपुरातत्वविदों ने जमीन के नीचे छिपे इतिहास के एक ऐसे पन्ने को खोला है, जिसने आधुनिक इंजीनियरिंग को भी सोच में डाल दिया है. चीन में पुरातत्वविदों ने 2,200 साल पुरानी एक विशाल सड़क के एक नए हिस्से की खोज की है, जिसे प्राचीन दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक माना जाता है. इसे 'चिन स्ट्रेट रोड' के नाम से जाना जाता है. इसकी तुलना आज के आधुनिक हाईवे से की जा रही है.

रेत में छिपा है 900 किलोमीटर का राज. दरअसल, 9 दिसंबर को चीन के शांक्सी प्रांत के युलिन (Yulin) शहर में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और अनुसंधान संस्थान ने इसकी खोज की. पुरातत्वविदों को खुदाई में इस प्राचीन सड़क का 13 किलोमीटर (8 मील) लंबा हिस्सा मिला है. यह सड़क चीन के पहले साम्राज्य के

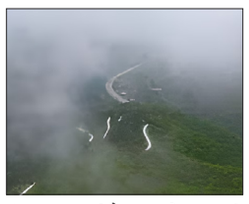

'दिल' (हार्टलैंड) को उसकी सरहदों से जोड़ने के लिए बनाई गई थी. ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक, यह पूरा हाईवे करीब 900 किलोमीटर लंबा था, जो उत्तरी चीन से होकर गुजरता था.

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि चीन के पहले सम्राट, चिन शी हुआंग ने इस सड़क को बनाने का आदेश दिया था. हैरानी की बात यह है कि उस दौर में बिना किसी आधुनिक मशीनरी के, यह विशाल सड़क मात्र 5 साल में बनकर तैयार हो गई थी.

इसका मुख्य उद्देश्य राजधानी जियानयांग को इनर मंगोलिया के जियुयुआन से सीधे जोड़ना था. यह एक मिलिट्री रूट था, जिसे विशेष रूप से 'जियोनग्नू' खानाबदोशों के हमलों से निपटने के लिए सेना और रसद (सप्लाई) को तेजी से बॉर्डर तक पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था.

खुदाई में मिली सड़क की बनावट ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है. उस दौर में भी इंजीनियर्स ने पहाड़ों को काटकर और घाटियों को भरकर एक बिल्कुल सीधी सड़क बनाई थी. यह सड़क औसतन 40 मीटर (130 फीट) चौड़ी थी, जो आज के 4-लेन हाईवे के बराबर है. कुछ जगहों पर तो इसकी चौड़ाई 60 मीटर तक थी.

मोरिंगा पराठा

सामग्री

- गेहूं का आटा – 1 कप
- ताजी मोरिंगा पत्तियां – ½ कप
- अजवाइन – ¼ चम्मच
- हल्दी पाउडर – ¼ चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर ¼ चम्मच
- नमक – स्वादानुसार
- तेल या घी – सेकने के लिए
- पानी – आवश्यकतानुसार

बनाने का तरीका

एक बाउल में आटा लें और उसमें मोरिंगा पत्तियां, अजवाइन, हल्दी, मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं। अब इसमें धीरे-धीरे पानी डालते हुए मुलायम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए इसे ढककर रख दें। अब आटे की लोई बनाएं, बेलें और तवे पर दोनों ओर से घी लगाकर सुनहरा होने तक सेंकें। यह पराठा टेस्टी और हेल्दी होता है, जिसे आप दही या चटनी के साथ खा सकते हैं।

स्टफ्ड मोरिंगा पराठा

सामग्री (आटे के लिए)

- गेहूं का आटा – 1 कप
- नमक – ¼ चम्मच
- पानी – आवश्यकतानुसार

सामग्री (स्टफिंग के लिए)

- मोरिंगा पत्तियां – ¾ कप
- उबले आलू – 2 मध्यम आकार के
- लहसुन – 2 कलियां
- हरी मिर्च – 1 (बारीक कटी)
- हल्दी – ¼ चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर – ¼ चम्मच
- अमचूर पाउडर – ½ चम्मच
- नमक – स्वादानुसार
- तेल – 1 चम्मच

बनाने का तरीका

पैन में तेल गरम करें, उसमें लहसुन और हरी मिर्च भूनें, फिर मोरिंगा पत्तियां डालें और 3-4 मिनट तक भूनें। अब इसमें उबले हुए आलू और मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं और ठंडा होने दें। अब गूंथे हुए आटे की लोई लें, उसमें थोड़ा सा स्टफिंग भरें, किनारे बंद करें और बेलें। तवे पर घी या तेल लगाकर सुनहरा होने तक सेंकें। ये दोनों तरह के मोरिंगा पराठे स्वाद, सेहत और पोषण का जबरदस्त मेल हैं। इन्हें नाश्ते, टिफिन या हल्के लंच के रूप में शामिल कर सकते हैं।

मकर संक्रांति कब है?

खिचड़ी और उत्तरायण भी है इस पर्व का नाम जानें तारीख, स्नान और दान का समय

संक्रांति का महापर्व हर साल 14 या 15 जनवरी को होता है. उस दिन सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, इस वजह से मकर संक्रांति मनाई जाती है. मकर संक्रांति को खिचड़ी और उत्तरायण भी कहा जाता है. देश के अलग-अलग क्षेत्रों में मकर संक्रांति के नाम अलग अलग हैं, लेकिन उत्सव एक जैसा होता है. मकर संक्रांति के दिन लोग स्नान के बाद दान करते हैं, खिचड़ी, दही-चूड़ा, गुड़ और तिल के लड्डू खाते हैं, वहीं कुछ स्थानों पर मकर संक्रांति के दिन पतंग भी उड़ाते हैं. नए साल 2026 का शुभारंभ 1 जनवरी को प्रदोष व्रत और गुरुवार को हो रहा है. आइए जानते हैं कि मकर संक्रांति 2026 कब है? मकर संक्रांति पर स्नान और दान का समय क्या है?

■ 2026 मकर संक्रांति तारीख

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव जिस क्षण धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे, उस समय मकर संक्रांति का क्षण होगा. इस आधार पर पंचांग के अनुसार नए साल 2026 में सूर्य देव 14 जनवरी दिन बुधवार को दोपहर में 03:13 पी एम पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे. उस समय मकर संक्रांति का क्षण है. ऐसे में 2026 की मकर संक्रांति 14 जनवरी बुधवार को मनाई जाएगी. कभी कभी मकर संक्रांति पर्व 13 जनवरी या 15 जनवरी को होता है. इसका कारण सूर्य के मकर में आने का समय होता है. जिस समय सूर्य मकर में आते हैं, उस आधार पर मकर संक्रांति का दिन तय होता है.

■ मकर संक्रांति मुहूर्त

14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति का मुहूर्त यानि महा पुण्य काल दोपहर में 03:13 बजे से लेकर शाम 04:58 बजे तक है. उस दिन महा पुण्य काल 1 घंटे 45 मिनट तक रहेगा. वहीं मकर संक्रांति का पुण्य काल दोपहर में 03:13 बजे से शाम 05:45 बजे तक है. पुण्य काल 2 घंटे 32 मिनट तक रहने वाला है. मकर संक्रांति के स्नान के लिए महा पुण्य काल, उसके बाद पुण्य काल अच्छा माना जाता है.

■ मकर संक्रांति पर स्नान और दान समय

इस बार मकर संक्रांति पर स्नान और दान का समय दोपहर में है, जो पुण्य काल का समय है, जिसमें महा पुण्य काल भी शामिल है. लेकिन मकर संक्रांति पर ब्रह्म मुहूर्त से ही स्नान और दान शुरू हो जाता है. मकर संक्रांति के दिन ब्रह्म मुहूर्त 05:27 ए एम से लेकर 06:21 ए एम तक है.

■ मकर संक्रांति को खिचड़ी और उत्तरायण क्यों कहते हैं?

मकर संक्रांति के दिन अधिकांश जगहों पर लोग खिचड़ी का सेवन करते हैं, जो आसानी से पच जाता है. गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में बाबा गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाई जाती है. पहली खिचड़ी वहां के महंत योगी आदित्यनाथ चढ़ाते हैं. इस वजह से मकर संक्रांति को खिचड़ी कहा जाता है. मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं. ऐसे में वे 6 महीने तक उत्तरायण रहते हैं. उत्तरायण को देवताओं का दिन कहा जाता है और इसे शुभ मानते हैं. उत्तरायण में सूर्य कैलेंडर के 6 महीने मकर, कुंभ, मीन, मेष, वृषभ और मिथुन आते हैं.

■ मकर संक्रांति का महत्व

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करते हैं, इससे कुंडली में सूर्य मजबूत होता है. नौकरी में तरक्की, यश, कीर्ति, पिता का सहयोग, राजनीति में उन्नति आदि की प्राप्ति होती है. मकर संक्रांति पर स्नान और दान करने से पुण्य लाभ होता है. इस दिन अन्न, तिल, गुड़, गरम कपड़े आदि का दान करना चाहिए.

आज का राशिफल

मेष : प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृषभ : संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

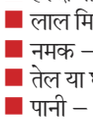

मिथुन : सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

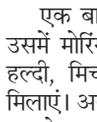

कर्क : विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

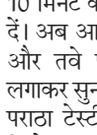

सिंह : यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दुःखद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

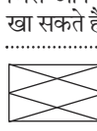

कन्या : प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें। सफलता के शुभ संकेत हैं।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

धनु : कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

मकर : लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

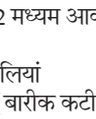

कुंभ : तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा। अधिकारी वर्ग में महत्व बढ़ेगा।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को शिक्षा में उपलब्धि हासिल होने के योग हैं।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न्यू ईयर पार्टी का हैंगओवर उतारेंगी ये 5 सस्ती चीजें

क्या होता है हैंगओवर- हैंगओवर तब होता है, जब आप बहुत अधिक मात्रा में एल्कोहल का सेवन करते हैं. हैंगओवर एक ऐसा लक्षण है, जो आपके शरीर और दिमाग पर असर करता है और अगले दिन सुबह इसके कुछ लक्षण नजर आते हैं. खाली पेट शराब पीना, स्ट्रॉन्ग ड्रिंक्स पीना, डिहाइड्रेशन से सिरदर्द होना, क्योंकि एल्कोहल एक डिहाइड्रेटिंग एजेंट है. महिलाओं में हैंगओवर होने के चांसेज अधिक होते हैं, क्योंकि उनका बॉडी वेट कम होता है, रेगुलर ड्रिंक करने की आदत कम होती है. पेट दर्द, थकान, मेमोरी जाना (रात का कुछ भी याद न रहना), चक्कर आना, एंजायटी, हार्ट बीट बढ़ना आदि समस्याएं होती हैं हैंगओवर होने पर.

■ आप सोकर उठते हैं और भारी महसूस होता है, सिरदर्द से परेशान हैं, थकान, चक्कर आए, तो सबसे पहले आप उठते ही जितना हो सके पानी पिएं. इससे शरीर में मौजूद सारे टॉक्सिस पदार्थ पेशाब के जरिए निकल जाएंगे.

■ नींबू पानी पीना भी हैंगओवर का एक सस्ता घरेलू इलाज है. एक गिलास में आधा नींबू का रस और थोड़ा सा नमक डालकर मिलाएं और पी जाएं. इससे शरीर में हुई इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी दूर होगी. हाइड्रेशन बेहतर होगी. मतली, उल्टी, सिरदर्द में आराम मिलेगा.

■ आप हैंगओवर उतारने के लिए नारियल पानी भी पी सकते हैं. इससे भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस होता है. अंदर से अच्छा महसूस होता है. शरीर को एनर्जी मिलती है. नारियल पानी में कैल्शियम बहुत होता है, इसकी कमी से थकान महसूस होती है. आप इस हेल्दी ड्रिंक को पीकर थकान और कैल्शियम की कमी को दूर कर सकते हैं.

■ आप पार्टी में शराब पीने वाले हैं तो पहले ही अपने फ्रिज में फ्रेश पुदीने की पत्तियां रख लें. पुदीने में मौजूद कुछ गुण हैंगओवर उतारने में कारगर साबित हो सकते हैं. आप पुदीने को पीसकर उसे पानी में मिक्स करें और छान लें. इसे पिएं या फिर पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालें और उबाल लें. इसे भी पीने से फायदा होगा.

■ अदरक में भी कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो शराब के नशे को तुरंत उतार सकते हैं. इसके लिए आप अदरक को कूचकर उसका रस निकालें और इसे पिएं. आप इसे पानी में मिक्स करके भी पी सकते हैं. अदरक बेचैनी, सिरदर्द, घबराहट को कम कर सकता है. थोड़ा सा शहद मिक्स करके ले सकते हैं.

सर्दियों में जायफल खाने के फायदे

आयुर्वेद में भी जायफल को फायदेमंद माना गया है, जो व्यंजनों में स्वाद और खुशबू भी जोड़ता है. चलिए जानते हैं सर्दियों में जायफल के सेवन के फायदे और इसकी तासीर के बारे में. जायफल सख्त गोल सा होता है, जिसे पाउडर बनाकर भी लोग इस्तेमाल करते हैं. जायफल औषधीय गुणों से भरपूर होता है, जिसे लोग सब्जी, करी, दाल, मिठाइयों में भी इस्तेमाल करते हैं. इसके स्वाद और सुगंध में हल्की सी मिठास होती है, जो किसी भी डिश में चार चांद लगा देती है.

भारतीय व्यंजनों में जायफल का इस्तेमाल सदियों से होता आ रहा है. इसे अक्सर धनिया, हल्दी, मिर्च और अन्य मसालों के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है. डिश को ताजगी और मसालेदार स्वाद देता है. गरम मसाला में भी जायफल शामिल होता है. मिठाइयों जैसे हलवा, खीर या लड्डू में इसका पाउडर डालने से स्वाद दोगुना हो जाता है.

विशेषज्ञों के अनुसार, जायफल नींद न आने की समस्या को दूर कर सकता है. यह प्राकृतिक रूप से मानसिक शांति प्रदान करता है. अनिद्रा से राहत दिलाता है. रात को दूध में थोड़ा सा पिसा हुआ जायफल मिलाकर पीने से अच्छी नींद आती है. जायफल पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है. जिन लोगों को गैस, पेट फूलने, कब्ज, अपच जैसी समस्याएं अक्सर परेशान करती हैं, उन्हें जायफल का सेवन करना चाहिए. इसमें मौजूद तत्व पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करते हैं, जिससे भोजन आसानी से पचता है.

आयुर्वेदाचार्य के अनुसार, इसकी तासीर गर्म होती है, जिसे सर्दियों में सेवन करना लाभदायक है. हालांकि, सीमित मात्रा में ही जायफल का सेवन करना चाहिए तभी शरीर के लिए अधिक लाभकारी होगा. यह एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करता है. सूजन कम करता है. गर्भवती महिलाएं या किसी तरह की कोई दवा ले रहे लोगों को डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए. आप इसे घिस कर रात में थोड़ा सा गर्म दूध में मिलाकर पी सकते हैं. इससे नींद अच्छी आएगी. आप इसे गर्म पानी में भी मिलाकर पी सकते हैं. हालांकि, इसे सिर्फ आधा छोटा चम्मच ही अपने किसी भी सूप, दूध, पानी, जूस या फिर स्मूदी में मिलाएं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बगैर अपराध किए तीन साल तक काटी सजा, जेल भेजने वाले 12 पुलिसवालों पर अब केस

यूपी में जिस व्यक्ति को 'लुटेरा' बताकर बहजोई पुलिस ने अपनी पीठ थपथपाई थी, वह तीन साल तक बेगुनाही की सजा काटता रहा। इंसाफ की लड़ाई में उसका सब कुछ लुट गया। खेती की जमीन बिक गई, बेटे की पढ़ाई छूट गई और परिवार सड़क पर आ गया। अब कोर्ट के दखल के बाद यह सनसनीखेज सच सामने आया है कि जिस दिन (25 अप्रैल 2022) पुलिस ने उसे लूट करते दिखाया, उस दिन वह पहले से ही बदायूं जेल में बंद था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने इस साजिश पर कड़ा रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसएचओ समेत 12 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिए हैं। हालांकि, एसपी संभल ने फिलहाल मुकदमा दर्ज करने के बजाय हाई कोर्ट में अपील करने की बात कही है।

यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर ने मारा 85 वर्षीय बुजुर्ग को थप्पड़, पांच घंटे थाने पर बैठाया

आगरा. यूपी के आगरा में किरावली में पुलिस ने किसान राजू शर्मा के पीट-पीटकर दोनों पैर तोड़ दिए। यह मामला शांत भी नहीं पड़ा है कि इंस्पेक्टर एत्मादपुर के खिलाफ 85 वर्षीय बुजुर्ग ने थप्पड़ मारने और अभद्रता की शिकायत की है। बुजुर्ग का कहना है कि थाने में बेइज्जती से वह आहत हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में इंस्पेक्टर की शिकायत की थी। इंस्पेक्टर ने बौखलाकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। बता दें कि गांव सुरहार, एत्मादपुर निवासी नरेंद्र पाल सिंह लड़खड़ाते कदमों से शुक्रवार को डीसीपी पश्चिम अतुल शर्मा के पास आए थे। उन्होंने डीसीपी को बताया कि बेटे वीरेंद्र सिंह की दो शादियां हुई हैं। पहली पत्नी पुरानी तहसील मार्ग पर रहती है। मकान उनके नाम है। मकान के बराबर में ही दुकान है। पहले भतीजा दुकान चलाता था। उन्होंने उससे खाली करा ली। 18 दिसंबर दुकान की मरम्मत कराने गए थे। इस दौरान एत्मादपुर थाना पुलिस आई। उन्हें खींचकर थाने ले गई। उन्होंने थाने में कोर्ट के कागज दिखाए। थाना प्रभारी आलोक कुमार ने उन्हें थप्पड़ मारा और कागज फेंक दिए।

दूसरी शादी के बाद भी डकार रहीं थीं विधवा पेंशन, अब एक-एक पाई वसूल करेगी सरकार

कानपुर. यूपी के कानपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 33 विधवाएं दोबारा शादी करने के बावजूद विधवा पेंशन का लाभ उठा रही थीं। जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा किए गए सत्यापन में यह पोल खुली, जिसके बाद इन महिलाओं की पेंशन रोक दी गई और रिकवरी के आदेश जारी किए गए हैं। जिला प्रोबेशन विभाग विधवाओं को प्रति माह 1000 रुपये पेंशन देता है। जिले में कुल 73,436 विधवाएं इस लाभ का फायदा उठा रही हैं।

बांग्लादेश में नया तूफान लाएंगी खालिदा की पोती?

■ **कौन हैं जायमा रहमान, पिता के साथ घर वापसी**

ढाका. बांग्लादेश की राजनीति में जिया परिवार की चौथी पीढ़ी के प्रवेश की चर्चा तेज हो गई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की इकलौती बेटी बैरिस्टर जायमा रहमान अब सक्रिय राजनीति में कदम रखने की तैयारी कर रही हैं। 17 साल लंदन में निर्वासन की जिंदगी बिताने के बाद 25 दिसंबर को पिता के साथ देश लौटीं जायमा ने फेसबुक पोस्ट और पार्टी मीटिंग्स में अपनी इच्छा जाहिर की है कि वे बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में योगदान देना चाहती हैं और लोगों से सीधा जुड़कर देश को समझना चाहती हैं।

जायमा रहमान का जन्म 26 अक्टूबर 1995 को हुआ था। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालेदा जिया की पोती हैं। बचपन ढाका में बीता, लेकिन 2008 में जब तारिक रहमान चिकित्सा और राजनीतिक कारणों से लंदन चले गए, तब 13 साल की जायमा भी मां डॉ. जुबाइदा रहमान के साथ वहां चली गईं। लंदन में क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली और लिंकन्स इन से बैरिस्टर बनीं। कानूनी प्रैक्टिस के दौरान उन्होंने लोगों के साथ काम करके सहानुभूति, ईमानदारी और न्याय की समझ विकसित की।

'मैं कभी अपनी जड़ों की देखभाल करना नहीं भूली', ये लाइन जायमा ने हाल ही में अपने एक फेसबुक पोस्ट में लिखीं। जायमा ने अपनी पोस्ट में अपनी दादी और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा को प्यार से 'डाडू' कहते हुए याद किया। बता दें कि जायमा ने अब तक न तो कोई औपचारिक पार्टी पद संभाला है और न ही कभी चुनाव लड़ा है। बीते 17 वर्षों में उनका जीवन मुख्यतः लंदन में उनके कानूनी पेशे के इर्द-गिर्द रहा।

ढाका में भव्य स्वागत, जायमा की 'शांत' एंट्री

तारिक रहमान की वापसी पर हजारों समर्थक ढाका की सड़कों पर उमड़ पड़े। यह एक राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन भी था। हालांकि, जायमा रहमान की एंट्री अपेक्षाकृत शांत रही। वह अपनी मां जुबैदा रहमान के साथ गुरुवार को गुलशन एवेन्यू के 196 नंबर आवास पर पहुंचीं। राजनीतिक मंच पर रोशनी भले तारिक रहमान पर रही, लेकिन लंदन से ढाका तक के सफर की तस्वीरें वायरल होने के साथ जायमा रहमान भी देश की राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गईं।

मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

■ **CWC की बैठक में खरगे ने बताया पूरा प्लान**

नई दिल्ली. संसद का शीतकालीन सत्र खत्म होने के बाद कांग्रेस पार्टी नए सिरे से मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में लग गई है। शनिवार को हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा को खत्म करने, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से लोगों को मताधिकार से वंचित करने तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताते हुए इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कृषि कानून को वापस लेने के लिए सरकार को बाध्य किया गया था उसी तरह मनरेगा की बहाली की रणनीति पर काम करने की जरूरत है। कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को हुई वर्किंग कमेटी की बैठक में खरगे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कि मोदी सरकार गरीबों का हक मार रही है और उन्हें संविधान प्रदत अधिकारों से वंचित कर तानाशाही कर रही है। ईडी जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की छवि खराब की जा रही है और दलित, गरीब, आदिवासी वर्गों के साथ क्रूरता हो रही है और स्थिति से निपटने की रणनीति पर विचार करना आवश्यक हो गया है।

मनरेगा की विश्वभर में हुई तारीफः खरगे

खरगे ने मनरेगा को कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार का ऐसा दूरदर्शी कदम बताया जिसे पूरे विश्व ने सराहा। देश के श्रम मंत्री के रूप में जब वह जी 20 देशों के श्रमिक सम्मेलनों में जाते थे तो अन्य देशों के प्रधानमंत्री और श्रम मंत्री इस योजना की बहुत तारीफ करते थे। उन्होंने कहा कि दो फरवरी 2006 को आंध्र प्रदेश के बंडलापल्ली में श्रीमती गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह ने मनरेगा की शुरुआत की थी।

मनरेगा समाप्त करना महात्मा गांधी का अपमान: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह बैठक पार्टी के भविष्य की रणनीति पर विचार के लिए आयोजित की गई है क्योंकि इस समय लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर चारों तरफ गंभीर संकट छाया है। यह संकट सरकार की कार्यशैली ने पैदा किया है। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण मनरेगा को खत्म कर दिया है, जिसने करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा कर दिया है। मोदी सरकार का मनरेगा को समाप्त करना, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का अपमान है और इस पर पार्टी नेता सोनिया गांधी ने भी गहरी चिंता हाल में व्यक्त की है।

राघव चड्ढा ने डिलीवरी बॉय को घर बुलाया, साथ में लंच किया

नई दिल्ली. आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कॉमर्शियल साइट के डिलीवरी एजेंट को अपने घर लंच पर बुलाया।

दरअसल, कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें डिलीवरी एजेंट ने बताया था कि उसने 15 घंटे में 28 डिलीवरी करने के बाद सिर्फ 763 कमाए।राघव ने वीडियो देखा। इसके बाद उनकी टीम ने डिलीवरी एजेंट से संपर्क किया। एजेंट को राघव के दिल्ली वाले घर पर बुलाया। राघव ने एजेंट के साथ अपनी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड भी किया।

थरूर बोले-

प्रधानमंत्री का हारना भारत के हारने जैसा

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, भारत की होती है। अगर राजनीति में कोई प्रधानमंत्री की हार पर खुश होता है, तो वह भारत की हार की खुशी मना रहा होता है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए कहा, "अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा?"

थरूर ने शुक्रवार को इंडिया टुडे से बातचीत की। इस दौरान थरूर ने कहा कि भारत को पाकिस्तान से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति बदल रहा है। वह अब हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक और छिपकर हमला करने की नीति पर जोर दे रहा है।

थरूर ने कहा- पाकिस्तान पहले ड्रोन, रॉकेट और मिसाइल हमलों का सहारा ले चुका है और अब वह और ज्यादा खतरनाक तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। पाकिस्तान की यह नई सैन्य नीति ऐसी नहीं है, जिसे भारत नजरअंदाज कर सके। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति पर बात करते हुए थरूर ने उसे एक बेहद समस्याग्रस्त देश बताया।

अनंतनाग में दिखे लश्कर के आतंकी

■ **दावा- इनमें एक पाकिस्तानी**

■ **दूसरा कुलगाम का लतीफ; बाजार में घूमने का CCTV फुटेज, सर्च ऑपरेशन जारी**

अनंतनाग. अनंतनाग के बाजार में लश्कर के दो आतंकियों का CCTV फुटेज सामने आने के बाद डेंगरपोरा और काजीबाग इलाके में सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से एक आतंकी कुलगाम के खेरवन का रहने वाला मो. लतीफ भट है।

वीडियो में नजर आए दूसरे आतंकी के पाकिस्तानी कमांडर हंजुल्लाह होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

सेना और कश्मीर पुलिस के जवान इलाके में दोनों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आतंकियों को पकड़ने में मदद मिल सके।

पिछले दिनों उधमपुर में भी 2 आतंकियों के देखे जाने के बाद जम्मू से कश्मीर तक 80 गांवों में तलाशी ली गई थी। जवानों ने हर घर के दरवाजे खुलवाकर जांच की थी।

लतीफ ने नवंबर में जॉइन किया था लश्कर

जो वीडियो सामने आया है उसमें 25 दिसंबर की तारीख है। समय शाम के 6.12 का है। वीडियो में नजर आया स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ कुलगाम के खेरवन का रहने वाला है। इसके बारे में यह दावा किया जा रहा है कि उसने नवंबर में लश्कर के शैडो संगठन कश्मीर रिवोल्यूशन आर्मी (KRA) जॉइन किया था।

सुरक्षा बल दोनों आतंकियों की तलाश में 30 घंटे से कर रहे हैं, हालांकि अभी तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली है।

इंडिगो संकट-

जांच पैनल ने 22 दिन में रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली. इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर DGCA को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं।

वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

■ **द्रौपदी मुर्मू बोलीं- ये तो शुरूआत है, आपको बाकी बच्चे फॉलो करेंगे**

■ **PM से भी मिले वैभव**

नई दिल्ली. क्रिकेट जगत में 14 साल की उम्र में एंट्री लेने वाले बिहार के वैभव सूर्यवंशी को आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया है। अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले वैभव को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला है। वैभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की।

अवॉर्ड देने के बाद अपने भाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा और अनेक प्रतिभा वाले क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बनाई है। अनेक रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। मुझे विश्वास है कि आपके जैसे प्रतिभाशाली बच्चे निरंतर अच्छा काम करते रहेंगे। ये तो अभी शुरुआत है। आपको देखकर बाकी बच्चे सीखेंगे और फॉलो करेंगे।

इस सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए वैभव बुधवार को ही दिल्ली रवाना हो गए ते। इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी में आज मणिपुर के खिलाफ दूसरा मुकाबला नहीं खेल रहे। हाल ही में हुए अंडर-19 वर्ल्ड-कप में वैभव ने सबसे ज्यादा छक्के मारे थे।

दिग्विजय सिंह ने की पीएम मोदी की तारीफ

■ **बोले- यह संगठन की शक्ति, जय सिया राम**

नई दिल्ली. कांग्रेस के दिग्गज नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर की और अपने स्वभाव के उलट राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) उसके संगठन और पीएम मोदी की खुलकर तारीफ की। उन्होंने जो फोटो शेयर किया उसमें भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी, प्रमोद महाजन, आनंदी बेन पटेल दिखाई दे रहे हैं, जबकि मोदी जमीन पर बैठे हुए दिख रहे हैं। इस फोटो को उन्होंने बहुत ही प्रभावशाली बताया और कहा कि यह संगठन की ही शक्ति है कि पार्टी का एक कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सकता है।

इस फोटो को शेयर करते हुए दिग्विजय सिंह ने लिखा, 'Quora site पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार RSS का जमीनी स्वयं सेवक व जनसंघ भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम।'

सबसे खास बात यह है कि अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कांग्रेस पार्टी, मध्य प्रदेश कांग्रेस, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और खुद पीएम मोदी को भी टैग किया।

मात्र 2 सेकंड्स में 700 मील प्रति घंटा

चीन ने मैग्लेव तकनीक में एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इसमें एक टन वजन वाले वाहन को केवल दो सेकंड में 700 किमी/घंटा (435 मील प्रति घंटा) की गति तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। मैग्लेव ट्रेन का परीक्षण 400 मीटर (1,310 फीट) की चुंबकीय तरलन (मैग्लेव) परीक्षण लाइन पर किया गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद इसे सुरक्षित रूप से रोक भी लिया गया। इस स्पीड टेस्ट ने एक नया मील का पत्थर स्थापित हुई है। यह दुनिया का सबसे तेज सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रिक मैग्लेव बन गया।

ऑस्ट्रेलिया में 18 मैच बाद इंग्लैंड की जीत

■ **एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में 4 विकेट से हराया**

■ **कंगारू टीम सीरीज में 3-1 से आगे**

इंग्लैंड ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में 18 टेस्ट मैचों से चला आ रहा जीत का इंतजार खत्म किया। इससे पहले इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट जीत 2011 में सिडनी (SCG) में मिली थी।

इसके बाद खेले गए 18 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 16 मैच जीते, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे। इंग्लैंड का यह बिना जीत का दौर 2013-14 की एशेज सीरीज में 5-0 से हार के बाद शुरू हुआ था।

मैच के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का टारगेट दिया था, जिसे इंग्लिश टीम ने 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 132 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 152 रन पर सिमट गई थी, जबकि इंग्लैंड पहली पारी में 110 रन ही बना सका था।

इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 42 रन की बढ़त मिली थी, लेकिन दूसरी पारी में इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच में कुल 7 विकेट लेने वाले इंग्लिश पेसर जोश टंग को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

175 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड को दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत मिली। टीम को पहला झटका 51 रन पर लगा। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट को क्लीन बोल्ड किया। वे 26 गेंद पर 34 रन बनाए। ब्राइडन छह रन बनाकर जे रिचर्डसन का शिकार बने। इसके बाद जैक क्रॉली ने जैकब बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी निभाई और इंग्लैंड की स्थिति मजबूत की। क्रॉली 48 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रूट और बेथेल के बीच 25 रन की साझेदारी हुई। बेथेल 40 रन बनाकर आउट हुए। रूट 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कप्तान बेन स्टोक्स दो रन बना सके। हैरी ब्रूक 18 रन और जेमी स्मिथ तीन रन बनाकर नाबाद रहे।

बांग्लादेशी क्रिकेटर्स पर संतों का अल्टीमेटम

■ **बोले-बांग्लादेशियों का साथ देने वाले भी कहलाएंगे जिहादी,**

■ **हत्यारों संग नहीं होने देंगे मैच**

नई दिल्ली. IPL 2026 के लिए बांग्लादेशी क्रिकेटर्स की खरीदारी किए जाने और खिलाने के खिलाफ हरिद्वार के साधु-संतों खुलकर सामने आ गए है। साधु-संतों ने आयोजकों को चेतावनी जारी की कि अगर बांग्लादेशी क्रिकेटर्स के साथ भारतीय खिलाड़ी खेलते है तो वे इसका विरोध करेंगे।

उन्होंने भारतीय क्रिकेटर्स से भी इस पर गौर करने को कहा है। संतों ने कहा है कि अगर वो इन क्रिकेटर्स के साथ खेलेंगे तो वो भी जिहादी कहलाएंगे और उनका भी विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया है।

हिन्दुओं को मारा है, काटा है, जलाया है। अगर उन बांग्लादेशियों के साथ मैच हुआ तो वे लोग हजारों पदाधिकरियों के साथ सड़क पर उतर जाएंगे।

IPL में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खिलाफ हरिद्वार के माया देवी मंदिर में आज यानी शनिवार को संत समाज, श्री अखंड परशुराम अखाड़ा और विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि IPL के लिए न तो बांग्लादेशी खिलाड़ियों की खरीद की जाए और न ही उन्हें मैचों में शामिल किया जाए। प्रदर्शन के दौरान संत समाज और सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

आचार्य बोले- बांग्लादेशी खिलाड़ियों के साथ मैच होगा तो सड़कों पर उतरेंगे

आचार्य पवन कृष्ण शास्त्री ने कहा कि ये जो IPL होने जा रहा है। जिन बांग्लादेशियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया है। हिन्दुओं को मारा है, काटा है, जलाया है, उन बांग्लादेशियों के साथ अगर मैच हुआ। अगर उन बांग्लादेशी खिलाड़ियों को जिहादियों को, अगर मैच में खरीदा गया, इनके साथ अगर मैच खेला गया तो श्री अखंड परशुराम अखाड़ा अपने हजारों पदाधिकरियों के साथ, हजारों-हजारों सिपाहियों के साथ सड़क पर उतरेगा।

अब इंस्टाग्राम पर पोस्ट नहीं कर पाएंगे जवान

■ **भारतीय सेना की सोशल मीडिया नीति में बड़ा बदलाव**

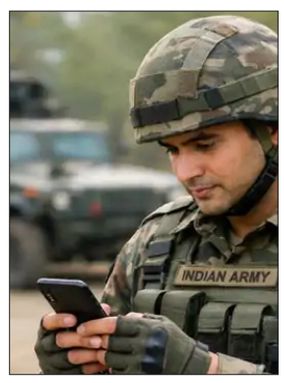

नई दिल्ली. भारतीय सेना ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर अपनी नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब सेना के जवान और अधिकारी इंस्टाग्राम का उपयोग केवल देखने और निगरानी के उद्देश्य से कर सकेंगे। वे किसी भी प्रकार की पोस्ट नहीं कर पाएंगे और न ही किसी पोस्ट को लाइक या उस पर टिप्पणी कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, डिजिटल गतिविधियों को लेकर सेना के लिए पहले से लागू सभी अन्य नियम यथावत रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि ये निर्देश सेना की सभी यूनिटों और विभागों को जारी कर दिए गए हैं। इसका उद्देश्य सैनिकों को सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री को देखने, उससे अवगत रहने और सूचनाएं जुटाने की सीमित अनुमति देना है, ताकि वे फर्जी या भ्रामक कंटेंट को पहचान सकें।

नई व्यवस्था के तहत, सैनिक यदि सोशल मीडिया पर किसी फर्जी, भ्रामक या संदिग्ध पोस्ट को देखते हैं तो वे उसकी जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दे सकेंगे। इससे सूचना युद्ध और दुष्प्रचार के खिलाफ सेना की आंतरिक सतर्कता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

भारतीय सेना समय-समय पर फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के इस्तेमाल को लेकर दिशा-निर्देश जारी करती रही है। सुरक्षा कारणों से पहले इन पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे।

हनी ट्रैप और सूचना लीक के चलते सख्ती

इन सख्त नियमों की पृष्ठभूमि में ऐसे कई मामले सामने आए थे, जिनमें विदेशी एजेंसियों द्वारा बिछाए गए 'हनी ट्रैप' में फंसकर कुछ सैनिकों से अनजाने में संवेदनशील जानकारियां लीक हो गई थीं। इसी को देखते हुए सोशल मीडिया पर नियंत्रण को आवश्यक माना गया।

हाल ही में भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चाणक्य डिफेंस डायलॉग के दौरान सेना कर्मियों के सोशल मीडिया उपयोग को लेकर अपने विचार साझा किए थे। कार्यक्रम के दौरान उनसे पूछा गया कि जेनरेशन-Z के युवा सेना में आना चाहते हैं, लेकिन सेना और सोशल मीडिया के बीच एक विरोधाभास दिखाई देता है।

कड़ाके की ठंड का कहर

नई दिल्ली. उत्तर भारत इस वक्त भीषण ठंड, शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में है। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, खासकर छोटे बच्चों और छात्रों की सेहत को लेकर प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इसी को देखते हुए बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने का बड़ा फैसला लिया गया है। झारखंड की राजधानी रांची में शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए बड़ा आदेश जारी किया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार, 27 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी स्कूलों में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक की पढ़ाई स्थगित रहेगी।

सरकार नजर रखे- राबड़ी आवास में सोना-चांदी से भरा तहखाना हो सकता है

■ **जेडीयू ने प्रेशर बढ़ाया**

पटना. राष्ट्रीय जनता दल (RJD) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास खाली करने की चर्चा पर सियासत गर्म है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (JDU) ने दावा किया है कि राबड़ी आवास में तहखाना है। जेडीयू प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने शनिवार को कहा कि राबड़ी आवास में तहखाना होने की आशंका है, उसमें सोना-चांदी, रुपये और जमीन के कागज भरे हुए हो सकते हैं। उन्होंने सरकार से इस पर नजर रखने की मांग की। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि राबड़ी देवी का पूरा परिवार पटना में नहीं है। तेजस्वी यादव भी विदेश घूम रहे हैं, तो राबड़ी आवास से किसकी अनुमति से पेड़-पौधे ले जाए गए। इसकी जांच होनी चाहिए कि वे पौधे लालू परिवार की निजी संपत्ति थे, या फिर उद्यान विभाग ने उपलब्ध कराए थे।

उन्होंने भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों से राबड़ी आवास में मौजूद सरकारी संपत्तियों की सूची अपडेट करने की मांग की। साथ ही कहा कि अगर तहखाने में भी सामान हो सकता है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार द्वारा आवास खाली करते समय पंखा, रेगुलेटर, टोंटी, पाइप आदि सरकारी सामानों की निगरानी होनी चाहिए। अगर कुछ हो तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

दरअसल, पिछले महीने बिहार में नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने बिहार विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष के लिए पटना के 39, हार्डिंग रोड वाला बंगला कर्णाकित कर दिया था।

संक्षेप...

भिवंडी में तीसरे दिन 16 नामांकन

भिवंडी. भिवंडी मनपा आम चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा तीसरे दिन 16 नामांकन पत्र दाखिल किया गया है. अधिकतर नगरसेवक शुभ मुहूर्त में नामांकन दाखिल करने के फिराक में रुके हुए हैं. सोमवार, मंगलवार को अधिकतम नामांकन पत्र संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी के समक्ष प्रत्याशी दाखिल करेंगे. 23 दिसंबर से शुरू नामांकन प्रक्रिया 30 दिसंबर तक चलेगी.

मनपा चुनाव के नतीजों के बाद दोनों NCP का फिर एक होगी?

मुंबई. म्युनिसिपल चुनाव में चाचा-भतीजे NCP के गठबंधन की बातचीत आखिरी स्टेज पर पहुंच गई है और यही पैटर्न मुंबई में भी अपनाया जा सकता है। इस गठबंधन को दोनों NCP के मर्जर की शुरुआत बताया जा रहा है। सूत्रों ने म्युनिसिपल चुनाव के नतीजों के बाद NCP के मर्जर का ऐलान होने की संभावना जताई है। ऐसी भी चर्चा है कि सुप्रिया सुले को NCP कोटे से केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है।

लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को बड़ी कामयाबी मिली

थी। हालांकि, विधानसभा चुनाव में वह कामयाबी नहीं मिल पाई। महाविकास आघाड़ी का सूपड़ा साफ हो गया। राज्य में नेताओं के बीच अनबन और खींचतान के कारण महाविकास अघाड़ी कमजोर पड़ने लगी है। इसका अंदाजा राज्य में हाल ही में हुए म्युनिसिपल और नगर पंचायत चुनाव के नतीजों से साफ है। ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की NCP को ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। इससे कार्यकर्ता भी परेशान हैं। मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में ठाकरे भाई शिवसेना और MNS के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। उस गठबंधन के बाद से ही कांग्रेस और NCP आमने-सामने हैं। NCP की मुंबई में ताकत नहीं है, लेकिन ठाणे में है। चूंकि अजित पवार ग्रुप की पुणे और पिपरी चिंचवाड़ में ताकत है, इसलिए उन्होंने आत्मनिर्भरता का नारा दिया है और अपने चाचा को बुलाया है।

केंद्र में सुप्रिया सुले, राज्य में अजित पवार

वरिष्ठ नेता शरद पवार के जन्मदिन के मौके पर डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार दिल्ली गए थे और कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने भतीजे के बुलावे पर पॉजिटिव जवाब देने का फैसला किया। जब ठाकरे भाई साथ थे, तब राष्ट्रीय कांग्रेस के भविष्य को देखते हुए दोनों NCP को मिलाकर गठबंधन बनाने की बात चल रही थी। कहा जा रहा है कि यह फॉर्मूला तय हुआ है कि केंद्र में MP सुप्रिया सुले और राज्य में अजित पवार। इसी के तहत MP सुप्रिया सुले, MLA जयंत पाटिल, MLA जितेंद्र आव्हाड और डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार के बीच मीटिंग की बात चल रही है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने भरोसा जताया है कि नगर निगम चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टियों के मर्जर की घोषणा की जा सकती है।

नकली पास का इस्तेमाल; व्यक्ति पर केस दर्ज

मुंबई. नकली लोकल ट्रेन पास इस्तेमाल करने के आरोप में एक व्यक्ति पर रेलवे ने केस दर्ज किया। यह घटना 25 दिसंबर को दोपहर करीब 12:45 बजे हुई, जब टिकट एग्ज़ामिनर बायकुला रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म 1 के मेन गेट के पास रूटीन चेकिंग कर रहे थे। जब उनसे अपना टिकट दिखाने के लिए कहा गया, तो आरोपी, जिसकी पहचान आदिल अंसार खान के तौर पर हुई, ने अपने आईफोन 13 प्रो पर एक फ़ोटो के तौर पर दिखाया गया रेलवे पास दिखाया।

बैनर-सोशल मीडिया के ज़रिए वोटिंग के लिए किया जागरूक

ठाणे. मनपा के सार्वजनिक आम चुनावों को देखते हुए वोटर जागरूकता के लिए शहर में एक बड़ा कैंपेन चलाया जा रहा है। इस कैंपेन के तहत, शहर के बड़े चौराहों, सड़कों, बस स्टैंड के साथ-साथ डिजिटल बिलबोर्ड के ज़रिए लोगों में वोटिंग के लिए जागरूकता पैदा की जा रही है। ठाणे मनपा के आम चुनाव 15 जनवरी 2026 को हो रहे हैं, और इसमें ठाणे के वोटर बड़ी संख्या में हिस्सा लें और अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें, यह पक्का करने के लिए मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में अलग-अलग मीडिया का इस्तेमाल करके लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है।डिजिटल मीडिया प्रभावी साबित होने के कारण नागरिकों से आग्रह किया जा रहा है कि वह 15 जनवरी 2026 को सुबह 7.30 से शाम 5.30 बजे तक मनपा के फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया चैनलों के साथ-साथ शहर में डिजिटल बैनरों के माध्यम से संविधान द्वारा दिए गए अपने मताधिकार का गर्व के साथ प्रयोग करके अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

वोटिंग ट्रेनिंग से गैरहाज़िर रहने वाले कर्मचारियों पर डिसिप्लिन एक्शन लिया जाएगा -आयुक्त सौरभ राव

ठाणे. मनपा के आम चुनावों को देखते हुए, पोलिंग स्टेशनों पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 27 से 29 दिसंबर तक ट्रेनिंग रखी गई है ताकि वोटिंग प्रोसेस आसान, ट्रांसपेरेंट और रेगुलर हो सके।मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने बताया कि इस ट्रेनिंग के ऑर्डर मिलने के बाद भी गैरहाज़िर रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लिया जाएगा और क्रिमिनल केस भी दर्ज किया जाएगा।ठाणे मनपा के आम चुनावों के लिए वोटिंग

प्रोसेस को पूरा करने के लिए 2013 पोलिंग स्टेशनों पर कुल 10120 कर्मचारियों को अपॉइंट किया गया है। वोटिंग के दिन पोलिंग स्टेशन पर किए जाने वाले कामों की ट्रेनिंग, EVM हैंडलिंग ट्रेनिंग 27 से 29 दिसंबर 2025 तक दो सेशन में राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में रखी गई है।इस तीन दिन की ट्रेनिंग से गैरहाज़िर रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन का प्रपोज़ल दिया जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, मतदान प्रशिक्षण चुनाव कार्य का एक अनिवार्य हिस्सा है। प्रशिक्षण के माध्यम से मतदान प्रक्रिया, ईवीएम संचालन, मॉक पोल, मतदाता पहचान प्रक्रिया, आचार संहिता का पालन, आपातकालीन प्रक्रियाएं आदि जैसे मामलों पर गहन मार्गदर्शन दिया जाता है। इसलिए आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहना गंभीर मामला माना जाएगा।चुनाव लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, और इसमें नियुक्त प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारी से पालन करें। कोई बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधित कर्मचारियों से समय पर प्रशिक्षण में उपस्थित होने और चुनाव कार्य के लिए तैयार रहने की भी अपील की है।

अधिकारियों और कर्मचारियों की पहली ट्रेनिंग पूरी हुई

ठाणे. 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे महानगरपालिका के आम चुनावों के बैकग्राउंड में, वोटिंग प्रोसेस ट्रांसपेरेंट, आसान और व्यवस्थित हो, यह पक्का करने के लिए आज पोलिंग स्टेशनों पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में डिटेल में ट्रेनिंग दी गई।

यह ट्रेनिंग क्लास मनपा आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव के गाइडेंस में दो सेशन में ऑर्गनाइज़ की गई।डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में ऑर्गनाइज़ ट्रेनिंग क्लास को उपायुक्त उमेश बिरारी ने गाइड किया, जबकि कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के रिटायर्ड उपायुक्त विनय कुलकर्णी ने राम गणेश गडकरी रंगायतन में ऑर्गनाइज़ सभी ट्रेनिंग को गाइड किया। इस अवसर पर उपायुक्त जी.जी. गोदापुरे, चुनाव विभाग के कर्मचारी गिरीश झेंडे, तुषार जाधव मौजूद थे। 28 और 29 2025 को दो दिन की ट्रेनिंग भी रखी गई है।पोलिंग स्टेशन प्रेसिडेंट, पोलिंग ऑफिसर 1, 2 और 3, जो सीधे पोलिंग स्टेशन पर काम कर रहे हैं, उन्हें आज ट्रेनिंग दी गई। 15 जनवरी 2026 को होने वाले ठाणे मनपा के आम चुनाव के बैकग्राउंड में, सभी कर्मचारियों को 14 जनवरी 2026 को पोलिंग स्टेशन पर ज़रूरी सामान दिया जाएगा और सभी टीमों को बताए गए सामान के साथ उन्हें दिए गए पोलिंग स्टेशन पर मौजूद रहना है। पोलिंग स्टेशन बिल्डिंग से 100 मीटर की दूरी पर सभी सड़कों पर चूने से लाइन खींची जाए, पोलिंग स्टेशन के क्लासरूम में अगर किसी राजनीतिक या बड़े लोगों की तस्वीरें हों, तो उन्हें ढक दिया जाए, इस मौके पर पोलिंग बूथ को इस तरह से सेट करने के निर्देश दिए गए कि वोटिंग की प्राइवेसी भंग न हो। इस प्रशिक्षण में मतदान सामग्री के निरीक्षण एवं वितरण, मतदाता सूची के उपयोग, पहचान सत्यापन, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने एवं मतदान के पश्चात ईवीएम को सील करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

सभी सुविधाएँ जीर्ण-शीर्ण अवस्था में

अधिकारियों को आचार संहिता, चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश, आपातकालीन स्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियां, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तंत्र से समन्वय तथा शिकायत निवारण के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। मतदान के दिन किसी भी तरह की गलती या कदाचार से बचने के लिए हर स्तर पर नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम हैंडलिंग, मॉक पोल प्रक्रिया तथा मतदाताओं की शंकाओं का समाधान करने के तरीके भी डेमो के माध्यम से प्रस्तुत किए गए। साथ ही मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को ईवीएम मशीन को वास्तविक हैंडलिंग के लिए भी दिया गया।

केडीएमसी पर महायुति का महापौर बनाने के लिए काम करें

- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार्यकर्ताओं से अपील

कल्याण. कल्याण में आयोजित शिवसेना की विजय निर्धार सभा में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाविकास आघाडी पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर पालिका और नगर परिषद चुनाव में विरोधियों का बैंड बजा है और आगामी महापालिका चुनाव में भी बजेगा।

शिंदे ने नाम ना लेते हुए ठाकरे बंधुओं की भी जमकर खबर ली और कहा कि केवल सत्ता के लिए कुछ लोग एक साथ आए हैं, उन्हें मराठी भाषा या अस्मिता से कोई लेनादेना नहीं है।

बतादें कि शुक्रवार को कल्याण पूर्व के चक्की नाका स्थित गुणगोपाल मैदान में शिवसेना की विजय निर्धार सभा हुई। सभा में शिवसेना की प्रवक्ता ज्योति वाघमारे, सांसद डा.श्रीकांत शिंदे, विधायक राजेश मोरे, कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, अरविंद मोरे, शहर प्रमुख नीलेश शिंदे, विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़, शहर प्रमुख रवि पाटील, उपशहर प्रमुख नवीन गवली, मयूर पाटील, पूर्व महापौर रमेश जाधव, पूर्व नगरसेवक सचिन पोटे, रमाकांत देवलेकर, हर्षवर्धन पलांडे सहित बड़ी संख्या में शिवसेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महायुति का महापौर बनाने के लिए काम करें

निकाय चुनाव में शिवसेना और भाजपा के बीच युति (गठबंधन) होगी या नहीं इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे ने अपील की, कि कल्याण पूर्व में सर्वाधिक नगरसेवक शिवसेना के चुनकर आना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केडीएमसी पर महायुति का महापौर बनाने के लिए काम करें। अपने बयान से एकनाथ शिंदे ने यह संकेत दिया कि कल्याण-डोंबिवली का चुनाव युति में ही लड़ा जाएगा।

केवल सत्ता के लिए उबाठा-मनसे की युति

एकनाथ शिंदे ने नाम ना लेते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर भी हमला बोला। शिंदे ने कहा कि कुछ लोग हिंदुत्व और मराठी अस्मिता की बात करते हैं, उनसे मैं पूछना चाहूंगा कि उन्होंने मराठी भाषा या अस्मिता के लिए आखिर किया क्या। वे लोग केवल सत्ता के लिए एक साथ आए हैं।

अंबरनाथ में आवारा कुत्तों का आतंक

अंबरनाथ. शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बहुत बढ़ गया है. अंबरनाथ शहर में आवारा कुत्तों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और इसका खामियाजा अंबरनाथ के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। चिंता इसलिए जताई जा रही है क्योंकि इस साल जनवरी से नवंबर 2025 के बीच आवारा कुत्तों ने छह हज़ार लोगों को काटा है। इसलिए, लोग मांग कर रहे हैं कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या को न्यूटरिंग सर्जरी करके कंट्रोल किया जाए।

अंबरनाथ नगर पालिका ने गत दिनों न्यूटरिंग सर्जरी सेंटर के लिए एक टेंडर जारी किया है। इसके लिए संबंधित संस्था को आवारा कुत्तों की न्यूटरिंग और उन्हें रेबीज का टीका लगाने के लिए प्रति कुत्ता 1450 रुपये, घायल और कुचले हुए कुत्तों के इलाज के लिए प्रति कुत्ता

590 रुपये, आवारा कुत्तों को सिर्फ़ रेबीज़ का टीका लगाने के लिए 300 रुपये प्रति कुत्ता, वार्ड-वाइज़ रेबीज़ वैक्सीनेशन कैंप लगाकर आवारा कुत्तों को सिर्फ़ रेबीज़ का टीका लगाने के लिए 100 रुपये प्रति कुत्ता। अंबरनाथ नगर पालिका यह रकम देगी। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से डॉग ब्रीडिंग सेंटर बंद है। इस वजह से नसबंदी का काम नहीं हो सका।

हालांकि, पिछले दो दिनों से नसबंदी का काम शुरू किया गया है और जल्द ही शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी का काम युद्ध स्तर पर शुरू किया जाएगा और उन्हें ज़रूरी टीके भी लगाए जाएंगे, ऐसा अंबरनाथ नगर पालिका परिषद के स्वास्थ्य विभाग ने कहा। हालांकि, बालाजी नगर इलाके में, जहां आवारा कुत्ते फैल गए हैं, वहां नागरिकों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और माता-पिता अपने बच्चों को बाहर खेलने देने की हिम्मत नहीं कर रहे हैं। इसलिए, नगर पालिका से इस बारे में ज़रूरी कदम उठाने की मांग की जा रही है।

ट्रेनिंग से गैरहाजिर रहने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

ठाणे. ठाणे मनपा चुनाव को लेकर पोलिंग स्टेशनों पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 29 दिसंबर तक ट्रेनिंग दी जानी है. मनपा आयुक्त व चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने कहा कि इस ट्रेनिंग के ऑर्डर मिलने के बाद भी गैरहाजिर रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.

शिल्पा शेट्टी की मॉर्फ्ड तस्वीरों पर हाई कोर्ट सख्त

- एआई से बने आपत्तिजनक कंटेंट हटाने का आदेश दिया

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की एआई से बनाई गई और मॉर्फ्ड तस्वीरों को बेहद परेशान करने वाला और चौंकाने वाला बताया। कोर्ट ने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तुरंत ऐसे सभी लिंक और वेबसाइट हटाने का आदेश दिया। दरअसल, शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनैलिटी से जुड़े राइट्स की सुरक्षा के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने उन वेबसाइटों और एआई से बने कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, जिनमें उनकी मॉर्फ्ड तस्वीरें और वीडियो दिखाए गए थे।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अद्वैत सेठना की वेकेशन बेंच ने कहा कि वेबसाइटों पर डाला गया कंटेंट पहली नजर में ही बेहद परेशान करने वाला है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी व्यक्ति, खासकर किसी महिला को उसकी जानकारी या अनुमति के बिना इस तरह पेश नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे उसकी प्राइवेसी पर असर पड़ता है।

एआई से आवाज और एक्सप्रेशन्स की नकल की गई

याचिका में शिल्पा ने आरोप लगाया था कि एआई टूल्स का इस्तेमाल कर उनकी आवाज और एक्सप्रेशन्स की नकल की गई। इससे बिना अनुमति उनकी मॉर्फ्ड फोटो, किताबें और दूसरे प्रोडक्ट बनाए गए। शिल्पा ने कोर्ट से सभी वेबसाइटों को यह कंटेंट हटाने और बिना इजाजत उनका नाम, आवाज या तस्वीर इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की।

हाई कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर मौजूद ऐसी तस्वीरें उन्हें गलत और आपत्तिजनक तरीके से दिखाती हैं। कोर्ट के मुताबिक ऐसी तस्वीरें उनकी इमेज और रेपुटेशन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए कोर्ट ने सभी प्लेटफॉर्म को तुरंत ऐसे सभी यूआरएल हटाने का आदेश दिया।

मां ने की 6 साल की बेटी की हत्या

नवी मुंबई. नवी मुंबई से एक चौंकाने वाली और परेशान करने वाली घटना में, एक महिला ने कथित तौर पर अपनी छह साल की बेटी की हत्या कर दी क्योंकि बच्ची मराठी नहीं बोल सकती थी, जिससे पूरे शहर में सनसनी फैल गई। बच्ची की मौत को हार्ट अटैक बताने की कोशिश के बाद पुलिस ने मामले में मां को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना तब सामने आई जब पुलिस को बच्ची की मौत के हालात पर शक हुआ और उसने पोस्टमार्टम का आदेश दिया, जिसमें पता चला कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई थी।

कड़ी पूछताछ के बाद, घटना के पीछे का सच सामने आया। यह दिल दहला देने वाला अपराध नवी मुंबई के कलंबोली इलाके से हुआ। कलंबोली के सेक्टर-1 में गुरुसंकल्प हाउसिंग सोसाइटी में, 30 साल की महिला ने कथित तौर पर अपनी ही छह साल की बेटी का गला घोंटकर हत्या कर दी। कलंबोली पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने माता-पिता से लगातार पूछताछ की। लगभग छह घंटे की पूछताछ के बाद, मां ने कथित तौर पर अपनी बेटी का गला घोंटने की बात कबूल कर ली। उसे इस जुर्म के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

भजन कीर्तन के साथ रामलीला का हुआ समापन

ठाणे. संत श्री गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति की ओर से चल रही रामलीला का समापन भजन कीर्तन कर समापन किया गया।इस धार्मिक कार्यक्रम में मुंबई सहित आसपास के लोगों की बड़ी संख्या में श्री राम के लीला का लाभ लिया।इस कार्यक्रम में सांसद नरेश म्हस्के,उद्योगपति प्रभाकर शुक्ला,पूर्व उपमहापौर नरेश मनेरा भाजपा युवा मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश

उपाध्यक्ष अमर घरत, शाखा प्रमुख प्रवीण नागरे, पूर्व नगरसेवक सिद्धार्थ ओवलेकर पूर्व नगर सेविका अर्चना मनेरा वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र उपाध्याय, एड. विनय कुमार सिंह, पं राममिलन शुक्ला, कुलदीप तिवारी अरविंद शुक्ला, राजेश पाठक, कृति शर्मा, वीरेंद्र पांडे रामसचिवान दुबे, अवधेश तिवारी आदि उपस्थित थे। गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति पदाधिकारी अध्यक्ष विजय मिश्रा,भजन गायक सोनू सिंह सुरीला, महासचिव गजेंद्र सिंह, रवि सिंह, उपाध्यक्ष रंजीत यादव, राजेश पांडे, सुनील मिश्रा, राजेश पाठक, प्रमोद तिवारी, प्रमोद चौहान, संदीप यादव, संजय शुक्ला, दीपक सिंह, वीरेंद्र पांडे, आनंद दुबे, प्रमोद दुबे आदि के अथक प्रयास से यह कार्यक्रम सफल हुआ।

CHANGE OF NAME

I hereby declare that my former name was
SRIJITH MOHAN
and I have changed it to
SRIJITH RAYAROTH VACHALI MOHAN.
Henceforth, I shall be known as
SRIJITH RAYAROTH VACHALI MOHAN
for all purposes and records.
Add. 4 Udaya Park, ITI Colony, Ambernath East

आम सूचना

मैं श्रीमती संगीता महेश क्षीरसागर सभी को सूचित कर रहा हूं कि घर, 205 चौ.फुट, गांधी नगर, खेमाणी रोड, बलकन जी बारी के पीछे, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 25बीओ017218100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शोलन संपत ऐडके के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 18.12.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती संगीता महेश क्षीरसागर

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099